

राजस्थान के दो शक्तिषक-शक्तिषिका राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार के लयि चयनति

चर्चा में क्योँ?

25 अगस्त, 2022 को भारत सरकार के शक्तिषा मंत्रालय ने राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार 2022 के लयि चयनति देश के वभिन्नि राज्यों के 46 शक्तिषकों के नाम की अंतमि सूची जारी की। इसमें राजस्थान के दो शक्तिषक-शक्तिषिका के नाम भी शामिल हैं।

प्रमुख बदि

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुरमु चयनति शक्तिषक-शक्तिषिकाओं को नई दलिली के वजिज्ञान भवन में 5 सतिंबर, 2022 को शक्तिषक दविस के अवसर पर वर्ष 2022 के राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करेँगी। पुरस्कार के तौर पर शक्तिषक-शक्तिषिकाओं को 50 हजार रुपए की राशी और सलिवर मेडल दया जाएगा।
- शक्तिषक दविस पर भारत सरकार के शक्तिषा मंत्रालय द्वारा दयि जाने वाले राष्ट्रीय शक्तिषक पुरस्कार के लयि चयनति राजस्थान के दो शक्तिषकों में राजकीय उच्च माध्यमकि बधरि वदियालय, बीकानेर की वजिज्ञान शक्तिषिका सुनीता और राजकीय उच्च प्राथमकि वदियालय पारगयापाड़ा, उदयपुर के शक्तिषक दुरगाराम मुवाल शामिल हैं।
- शक्तिषिका सुनीता ने मूक-बधरि बच्चों के साथ वजिज्ञान शक्तिषण के नवाचार के तहत इन वशिष बच्चों को 2017 से लगातार राज्यस्तरीय वजिज्ञान प्रतयोगति एवं राष्ट्रीयस्तरीय इंस्पायर अवार्ड में भाग लेने के लयि प्रोत्साहति कयि है। इस वशिष वदियालय में इन बच्चों ने वजिज्ञान लैब भी बनाई है। इसके अतरिकित वदियालय की एक छात्रा ने ओलंपियाड में स्थान प्राप्त कयि है और रजत पदक प्राप्त कर देश को गौरवान्वति कयि है।
- शक्तिषक दुरगाराम शक्तिषण के अलावा बाल शर्म एवं बाल तस्करी की रोकथाम को लेकर भी सकरयि हैं। बालशर्म एवं बाल तस्करी से जुडे 400 से ज़यादा बच्चों को रेस्क्यू कर उन्हें वापस शक्तिषा से जोडा गया है। इनमें 250 से ज़यादा लडकयि हैं। इसके अलावा शक्तिषा में नवाचार, प्राथमकि कक्षाओं के बच्चों के बसते का भार कम कयि गया है।
- शक्तिषक दुरगाराम ने कोरोना टीकाकरण के दौरान योद्धा के रूप में कार्य करके पंचायत मादड़ी को पूरे भारत में सर्वाधकि टीकाकरण वाली पहली जनजाति पंचायत बनाने में मदद की थी। वे उच्च कक्षाओं में पढ़ने वाली बालकिाओं की पढ़ाई का खर्च स्वयं वहन करते हैं और प्रतविरष एक महीने की सेलरी वदियालय वकिास एवं वदियालय के बच्चों पर खर्च करते हैं। इसके अलावा पर्यावरण संरक्षण के तहत कार्य करते हुए 11000 से ज़यादा पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का काम कयि है। साथ ही, नरिशरति बच्चों के अभभावक बनकर शक्तिषा से जोड़ने का काम भी कर रहे हैं।
- गौरतलब है कि शक्तिषक दविस के अवसर पर शक्तिषा मंत्रालय का स्कूली शक्तिषा और साक्षरता वभिग प्रतविरष 5 सतिंबर को एक राष्ट्रीय समारोह का आयोजन करता है, जसिमें देश के सर्वश्रेष्ठ शक्तिषकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान कयि जाते हैं।
- पुरस्कारों के लयि शक्तिषकों का चयन ऑनलाइन तीनस्तरीय चयन प्रक्रया के ज़रयि पारदर्शी तरीके से कयि जाता है।
- शक्तिषकों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान करने का उद्देश्य देश के शक्तिषकों के अनूठे योगदान को रेखांकति करना और ऐसे शक्तिषकों का सम्मान करना है, जिन्होंने अपनी प्रतबिद्धता व परशिरम से न सरिफ स्कूली शक्तिषा की गुणवत्ता में सुधार कयि है, बल्कि अपने छात्रों के जीवन को भी समृद्ध कयि है।